चक्रवाती तूफान ''बिपरजॉय'' का असर राजधानी जयपुर में मंगलवार को सबसे ज्यादा दिखा। अलसुबह से देर शाम तक कभी हल्की तो कभी तेज बारिश का दौर चलता रहा। अजमेर रोड पर कमला नेहरू नगर और उसके आसपास के क्षेत्र में तेज बारिश के कारण मुख्य सड़क दरिया बन गई। जलभराव के कारण यहां से गुजरने वाले लोगों को भारी परेशानियां उठानी पड़ीं। सबसे ज्यादा तकलीफ दुपहिया वाहन चालक और पैदल राहगीरों को हुई। हालांकि, सुबह से ही शहर के आसमान पर काली घनघोर घटाएं छाई हुई थीं, लेकिन शाम होते-होते तो शहर के लगभग हर इलाके में तेज बारिश शुरू हो गई और रूक-रूक कर देर रात तक पानी बरसता रहा। ऊपर दिया गया फोटो अजमेर रोड कमला नेहरु नगर का है।

राष्ट्रपति के बेटे हंटर बाइडन इनकम टैक्स चोरी के दोषी करार दिये गये

अमेरिका की जिला अदालत ने हंटर बाइडन को ड्रग्स लेने का आदी मानते हुये उन्हें अवैध हथियार रखने का भी दोषी करार दिया है

वॉशिंगटन, 20 जून। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को करारा झटका लगा है। उनके बेटे हंटर बाइडन को संघीय आयकर (इनकम टैक्स) का भुगतान न करने, अवैध रूप से हथियार रखने के मामले में दोषी करार दिया गया है। अमेरिका के डेलावेयर की एक जिला अदालत में दायर आरोप पत्र में राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर पर संघीय आयकर का भुगतान करने में विफल रहने और अवैध रूप से हथियार रखने का आरोप लगाया गया है, हालांकि उन्होंने न्याय विभाग के साथ एक समझौता कर लिया है।

मंगलवार को सार्वजनिक किए गए समझौते के हिस्से के रूप में हंटर बाइडन कर अपराधों के लिए गुनाह कबूलेंगे और मादक द्रव्य के उपयोगकर्ता के रूप में अवैध रूप से आग्नेयास्त्र रखने के आरोप में उनके (हंटर के) अभियोजक के साथ एक

- **हालांकि, इस मामले में हंटर बाइडन को किसी प्रकार की कानूनी सजा मिलने की संभावना बहुत कम है क्योंकि, उन्होंने अमेरिकी न्याय विभाग के साथ एक समझौता कर लिया है। संभव है कि, अमेरिकी न्याय विभाग हंटर बाइडन पर इस मामले में भारी अर्थदण्ड लगायेगा।**
- **हंटर बाइडन ने स्वीकार किया है कि, वे 2015 में अपने भाई ब्यू बाइडन की मौत के बाद नशे की लत में पड़ गये थे।**

समझौते पर पहुंचने की उम्मीद है। अदालत में आरोप पत्र दायर करते समय किसी संघीय अपराध मामले का समाधान किया जाना कुछ असामान्य है, हालांकि यह पूरी तरह से अनसुना नहीं है। यह समझौता बाइडन के दूसरे बेटे की न्याय विभाग द्वारा लंबे समय से की जा रही जांच को समाप्त करेगा। हंटर ने 2015 में अपने भाई ब्यू बाइडन की मौत के बाद नशे की लत से जूझना स्वीकार किया है। यह समझौता एक ऐसे मुकदमे को भी टालता है, जो दिनों या हफ्तों तक व्हाइट हाउस के लिए परेशानी पैदा करने वाली सुर्खियाँ बनाता। व्हाइट हाउस ने हालांकि न्याय विभाग से अपनी दूरी बनाए रखने की कोशिश की है।

गौरतलब है कि, हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन पर एक विदेशी गैस कंपनी के सी.ई.ओ. से अरबों रुपये की रकम रिश्वत के तौर पर लेने के भी आरोप लगे हैं। बाइडन पर आरोप है कि, उन्होंने अमेरिका में काम करने के लिए ब्लैकलिस्टेड कंपनी को आरोपों से क्लीनचिट दिलाने की एवज में मोटी रकम रिश्वत के तौर पर ली थी। इस सब आरोपों के बाद माना जा रहा है कि, इन आरोपों के कारण राष्ट्रपति बाइडन को आगामी राष्ट्रपति चुनावों में भारी हानि उठानी पड़ सकती है।

इस साल कोई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से पूर्व लोकसभा भंग कर दी जाती है, तो बात अलग है। सोलह जून 2023 के बाद, यानी 17वीं लोकसभा के कार्यकाल के चार वर्ष पूरे होने के बाद, यदि लोकसभा की कोई सीट, संबंधित संसद की मृत्यु, इस्तीफा या अयोग्य ठहराए जाने के कारण खाली होती है, तो भारत का चुनाव आयोग ऐसी खाली सीट के लिए, उपरोक्त तिथि, 17 जून 2023 को या उसके बाद कोई उपचुनाव नहीं करवाएगा, क्योंकि ऐसी सीट पर चुने गए सांसद का कार्यकाल एक वर्ष से कम होगा। तथापि, जहाँ तक, 16 जून 2023 की कट ऑफ डेट से पहले घोषित 5 खाली सीटों का सवाल है, कम से कम 3 सीटों, जो सिटिंग एम.पी. की मृत्यु के कारण खाली हुई, के लिए आने वाले कुछ महीनों में चुनाव करवाने होंगे।

अदालतों में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत में लम्बित केसों की भयावह तस्वीर पेश की। डेटा में पता लगा कि जिला स्तर की एवं निचली अदालतों में 4,38,345 केस लम्बित हैं और सुप्रीम कोर्ट में 68,745 केस विचाराधीन हैं। जून में यह संख्या बढ़कर 1,2,023 हो गई है। जिला एवं निचली अदालतों में लम्बित मुकदमों में से 1.09 करोड़ (1,09,86,689) सिविल केस है 3.28 करोड़ (3,28,93656) क्रिमिनल केस हैं।

भारत के 25 हाई कोर्ट्स में 60.5 लाख केस लम्बित हैं इनमें से 43.7 लाख क्रिमिनल केस है जो अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। इस प्रकार एक हाई कोर्ट के समक्ष औसतन 2,43,636 केस लम्बित है।

प. बंगाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दखलंदाजी नहीं है। हम हाई कोर्ट के निर्देश में दखल नहीं देंगे। अपील खारिज।''

सुप्रीम कोर्ट में प. बंगाल सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग की कलकत्ता हाई कोर्ट के दो आदेशों के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई हो रही थी। उनकी मुख्य शिकायत आगामी पंचायत चुनाव में संवेदनशील सीटों पर तुरंत प्रभाव से केन्द्रीय सुरक्षा बल तैनात करने के आदेश के खिलाफ थी। हाई कोर्ट ने 15 जून को प. बंगाल राज्य चुनाव आयोग को इस संबंध में कदम पीछे हटाने के लिए लताड़ा था।

बारिश के कारण सावन से पहले ही राजस्थान के 67 बांध लबालब हुये

मौसम विभाग के अनुसार बीते चार दिनों में 66 से अधिक केंद्रों पर 100 एम.एम. से अधिक बारिश दर्ज की गई है

जयपुर, 20 जून। सायक्लोन बिपरजॉय के कारण बारिश ने राजस्थान में कई रिकॉर्ड भी तोड़ दिए। पिछले चार दिनों में सायक्लोन बिपारजॉय के चलते हुई भारी बारिश ने राजस्थान के 67 बांधों को लबालब भर दिया है, ऐसी स्थिति शायद पहले कभी नहीं देखी गई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चक्रवात के चलते पिछले चार दिनों में राज्य को 660 मैगा क्यूसेक मीटर (एम.सी.एम.) से अधिक पानी मिला। राज्य के बांधों में 15 जून को 5384.38 एम.सी.एम. पानी था, जो 19 जून की शाम तक 6045 एम.सी.एम. से अधिक हो गया है।

जल संसाधन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि 66 से अधिक केंद्रों

- **राज्य के बांधों में 15 जून को 5384.38 मिलियन क्यूबिक मीटर (एम.सी.एम.) पानी था, जो 19 जून की शाम तक 6045 एम.सी.एम. से अधिक हो चुका है।**
- **प्रदेश जल संसाधन विभाग के अनुसार, पिछले चार दिनों में हुई भारी बारिश के चलते सात जिलों अजमेर, जालोर, पाली, सिरोही, राजसमंद, उदयपुर और टोंक के लगभग 67 छोटे और बड़े बांध अपनी क्षमता से अधिक भर गए हैं।**
- **राज्य में 24-25 जून से फिर कुछ दिनों तक बारिश का नया दौर शुरु होने की संभावना है।**

पर 100 मि.मी. से अधिक बारिश दर्ज की गई। अधिकारी ने कहा, पिछले चार दिनों में हुई भारी बारिश के चलते सात जिलों अजमेर, जालोर, पाली, सिरोही, राजसमंद, उदयपुर और टोंक के लगभग 67 छोटे और बड़े बांध अपनी क्षमता से अधिक भर गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल की तुलना में इस साल लगभग 14 अधिक बारिश हुई है। बीते साल 19 जून, 2022 को 4341 एम.सी.एम. पानी था, जो 19 जून, 2023 को 6045 एम.सी.एम. रहा। मुख्य अभियंता भुवन भास्कर ने कहा, चक्रवात के प्रभाव के चलते बांध भर गए हैं, इससे पहले ऐसा कभी नही हुआ है। पहले भी कई तूफान आए थे लेकिन ऐसी बारिश और पानी का बहाव देखने को नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि इस तरह की स्तिथि राज्य के लिए वरदान है और पीने के पानी की जरूरतों का ख्याल रखेगी। हालांकि, एक चुनौती भी है क्योंकि बारिश से सांचौर में नर्मदा नहर के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

हिंदू कुश-हिमालय पर्वत के ग्लेशियर 65 प्रतिशत अधिक तेजी से पिघल रहे हैं

काठमांडू, 20 जून (वार्ता)। हिंदू कुश हिमालय के ग्लेशियर पिछले दशक की तुलना में 2011-2020 में 65 प्रतिशत तेजी से पिघल रहा हैं और जलवायु परिवर्तन ने इस क्षेत्र के ग्लेशियरों, बर्फ और पर्माफ्रॉस्ट (स्थायी तुषार भूमि) में बदलाव अभूतपूर्व और बड़े पैमाने पर अपरिवर्तनीय हैं।' एक प्रमुख पर्वतीय संस्थान ने मंगलवार को जारी अध्ययन में यह बात कही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, वॉटर, आइस, सोसायटी, एंड इकोसिस्टम्स इन द हिंदू कुश हिमालय का प्रकाशन इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आई.सी.आई.एम.ओ.डी.) द्वारा किया गया था जो कि नेपाल के काठमांडू में स्थित एक आठ-राष्ट्र का निकाय है।

अध्ययन के अनुसार, हिंदू कुश हिमालय में ग्लेशियर मौजूदा उत्सर्जन प्रक्षेपवक्र के मुताबिक सदी के अंत तक अपनी वर्तमान क्षमता का 80 प्रतिशत पिघल सकता हैं, जबकि बर्फ का आवरण एक चौथाई तक कम होने का अनुमान है, इस प्रकार ताजा पानी की प्रमुख नदियों में जल स्तर काफी कम

- **एक इंटरनैशनल सर्वे एजेंसी के अनुसार, आने वाली एक सदी में हिमालय पर्वत के 80 प्रतिशत पिघल जाने की संभावना है।**
- **अगर यह सर्वे सत्य साबित हुआ तो, इसका दुष्परिणाम यह होगा कि, हिमालय पर्वत से निकलने वाली नदियां, गंगा एवं घाघरा आदि विलुप्त हो जायेंगी।**
- **यह अध्ययन इंटरनैशनल सैंटर फोर इंटीग्रेटेड माउंटेन डवलपमैंट आई.सी.आई.एम.ओ.डी.) द्वारा किया गया था जो कि, नेपाल के काठमांडू में स्थित एक आठ-राष्ट्रों का निकाय है। यह अध्ययन ''वॉटर, आइस, सोसायटी, एंड ईकोसिस्टम्स इन द हिंदू कुश हिमालय'' के नाम से प्रकाशित हुआ है।**

हो सकता है।

इसके परिणामस्वरूप क्षेत्र में पानी की उपलब्धता सदी के मध्य में चरम पर होने के आसार है। अध्ययन से पता चला है कि पर्माफ्रॉस्ट की सीमा कम हो रही है, जिससे अधिक भूस्खलन और ऊंचाई पर बुनियादी ढांचे के लिए दिक्कतें उत्पन्न होंगी।

आई.सी.आई.एम.ओ.डी. की उप महानिदेशक इजाबेला कोजील ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, हिंदू कुश हिमालय के ग्लेशियर पृथ्वी प्रणाली का एक प्रमुख घटक हैं।

कोजील ने कहा, एशिया में दो अरब लोग पानी के लिए इस ग्लेशियर और बर्फ पर निर्भर हैं। आपदा को रोकने के लिए हम नेताओं को अब कार्य करने की आवश्यकता है।

रूस के लिए यूरोपीय संघ की जगह चीन और भारत ने ले ली है

सेंट पीटर्सबर्ग, 20 जून (वार्ता)। रूस के विदेश व्यापार में यूरोपीय संघ की जगह चीन, भारत, तुर्की और अजरबैजान ने ले लिया है, जबकि इस वर्ष चीन के साथ रूस का व्यापार 200 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह जानकारी रूसी संघीय सीमा शुल्क सेवा के कार्यवाहक प्रमुख रुस्लान डेविडॉव ने सेंट पीटर्सबर्ग अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मंच (एस.पी.आई.ई.एफ.) के अवसर पर स्पुतनिक के साथ एक साक्षात्कार में दी।

डेविडॉव ने कहा कि चीन का विकास बहुत तीव्र है। मुझे लगता है कि, हमारे देशों के नेताओं ने 200 अरब डॉलर के व्यापार का जो निर्णय लिया है, अगर कोई बाधा उत्पन्न नहीं हुआ तो इस वर्ष इसे प्राप्त किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि भारत, तुर्की और अजरबैजान के साथ भी रूस का व्यापार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इन देशों ने

- **रूस के सैंट्रल एक्साइज ड्यूटी के कार्यवाहक प्रमुख ने कहा कि, इस वर्ष चीन के साथ रूस का व्यापार 200 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।**

पहले ही यूरोप के साथ हमारे व्यापार का स्थान ले लिया है और विश्व का दक्षिणी एवं पूर्वी हिस्सा बहुत तेजी से विकसित हो रहा है।

यूरोस्टैट डेटा के आधार पर आर.आई.ए. नोवोस्ती गणना के अनुसार, 2022 में रूस एवं यूरोपीय संघ के बीच व्यापार कारोबार आठ वर्षों में अधिकतम 258.6 अरब यूरो (282 अरब डॉलर) तक पहुंच गया।

2025 तक ट्रकों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बाद, ड्राइवरों के केबिनों को एयरकन्डीशन्ड बनाने की मेरी तीव्र इच्छा थी। लेकिन कुछ लोगों ने इसका विरोध किया था और कहा था कि ऐसा करने से ट्रकां की कीमत बढ़ जायेगी। आज मैंने उस फाइल पर हस्ताक्षर कर दिये कि सभी ट्रकों में एस.सी. वाले केबिन होंगे।'' वे महिन्द्रा लॉजिस्टिक्स द्वारा आयोजित ''देश चालक-रिकगनाइज दोज़ हू मूव इंडिया'' नामक को संबोधित कर रहे थे।

गडकरी ने कहा कि भारत में ड्राइवरों की कमी है, जिसके कारण उन्हें प्रतिदिन 14-16 घंटे ट्रक चलाने पड़ते हैं। उन्होंने कहा, ''अन्य देशों में, ट्रक ड्राइवरों की ड्यूटी के घंटों की अधिकतम सीमा की पाबंदी है।''

मंत्री महोदय ने इस काम के लिये किसी अंतिम तिथि का उल्लेख तो नहीं किया कि लोग ट्रकों में ए.सी. लगाये जाने की उम्मीद कब तक कर सकते हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, यह 2025 से शुरु हो जायेगा।

मंत्री लॉजिस्टिक के खर्च में कमी करने के बारे में भी बोले तथा उन्होंने इस बात को दोहराया कि भारत में इसे कम करने की जरुरत है ताकि निर्यात प्रतिस्पर्धा बेहतर हो सके। उन्होंने कहा कि इससे लिये अच्छी क्वालिटी की सड़कें तथा ट्रक बहुत जरूरी हैं।

कांग्रेस ने नड्डा व अमित मालवीय के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

कांग्रेस ने शिकायत में कहा है कि, इन नेताओं ने राहुल गांधी का एनिमेटेड वीडियो जारी कर उन पर देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने का आरोप लगाया है

बेंगलुरू, 20 जून (वार्ता)। कर्नाटक कांग्रेस ने पार्टी नेता राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट करने के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और पार्टी के आई.टी. सेल प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ शहर की पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। कांग्रेस ने इसके अलावा चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष अरुण सूद के खिलाफ गांधी का एक एनिमेटेड वीडियो जारी करने के लिए भी शिकायत दर्ज की गई है, जिसमें दावा किया गया है कि कांग्रेस देश विरोधी गतिविधियों में शामिल है।

कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (के.पी.सी.सी.) के प्रवक्ता रमेश बाबू ने भारतीय दंड संहिता (आई.पी.सी.) की धारा 505 (2), 553 (ए), 120 (बी), 34

- **कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रमेश बाबू ने अपनी लिखित शिकायत में कहा है कि, भाजपा नेता अमित मालवीय ने गत 17 जून को अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें दावा किया गया था कि, राहुल गांधी भारत के बाहर अपनी यात्राओं पर राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल होते हैं।**

के तहत शिकायत दर्ज कराई है।

उन्होंने कहा कि मालवीय ने 17 जून को अपने आधिकारिक अकाउंट से वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें दावा किया गया था कि गांधी भारत के बाहर अपनी यात्राओं पर राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल होते हैं।

खड़गे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और गांधी देश को तोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने भाजपा द्वारा चलाए जा रहे झूठ की फैक्टरी को बंद करने का फैसला किया है। भाजपा इससे बच सकती, क्योंकि यहां उनकी सरकार थी। तब तथ्य-जांच इकाई बंद हो गई थी। अब तथ्य-जांच इकाई को मजबूत किया जाएगा। मैं (प्रियांग खड़गे) पहले ही मुख्यमंत्री से बात कर चुका हूं।

आई.एस.आई. का सुनियोजित प्लान है...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक्टिविज़्म इन द यू.एस.'' शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि ये ग्रुप किस तरह से अमेरिका में अपना मजबूत आधार बना रहे हैं। थिंक टैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा था, ''जब तक अमेरिकन सरकार की प्राथमिकताओं में खालिस्तान-संबंधी उग्रवाद और आतंकवाद पर नजर नहीं रहेगी, तब तक उन ग्रुपों को चिन्हित किया जाना संभव नहीं है, जो इस समय भारत के पंजाब में हिंसा फैलाने में लगे हुये हैं या ऐसा करने की तैयारी कर रहे हैं। किसी भी व्यक्ति को कभी-कभार ही वह चीज मिल पाती है, जिसे वह खोज नहीं रहा हो।''

''रॉयटर्स'' की एक रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल (आई.ए.एम.सी.) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन करेगा। आई.ए.एम.सी. की वेबसाइट के

- **अमेरिका के जाने-माने थिंक टैंक ''हडसन इन्स्टीट्यूट'' ने मोदी की यात्रा के संबंध में प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि, खालिस्तानी ग्रुप्स की निगरानी जब तक अमेरिका की प्राथमिकता में नहीं होगी, तब तक खालिस्तानी आंदोलनकारी कभी भी हिंसक घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं।**

अनुसार, यह ''अमेरिका में भारतीय मुस्लिमों की हिमायत करने वाला सबसे बड़ा संगठन है।''

''द संडे'' में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, आई.ए.एम.सी. पाकिस्तान का दायाँ हाथ है। यह मानवाधिकार तथा धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मामलों को लेकर भारत पर निरन्तर निशाना साधता आ रहा है।

इसके अलावा, खुफिया सूत्रों ने समाचार एजेंसियों को यह भी बताया कि जिन दिनों मोदी अमेरिका में होंगे, वे जिन रास्तों से भी गुजरेंगे, उन रास्तों पर मोदी-विराधी पोस्टर लहराये जाने की भी योजना है। इसके अलावा, जिन लोगों को विरोध-प्रदर्शन का काम सौंपा गया है, उन्हें उनके गन्तव्य तक लाने ले जाने के लिये बसों की व्यवस्था भी कर दी गई है।

आई.एस.आई. ने ऐसे लोग भी काम पर रखे बताये जा रह है, जो मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले ट्विटर पर मोदी-विरोधी सामग्री वायरल करेंगे। ''मोदी का स्वागत नहीं'' तथा ''भारत को हिन्दू-प्रभुत्व एवं प्राधान्य से बचाओ'' जैसे हैशटैग्स भी सृजित किये गये हैं ताकि मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले मोदी-विरोधी तथा भारत-विरोधी भावनाएं भड़कायी जा सकें।

न्यूयॉर्क में 21 जून को ''हाउडी डेमोक्रेसी'' समारोह का भी आयोजन किया जा रहा है तथा इसी दिन प्रधानमंत्री मोदी न्यूयॉर्क पहुँचेंगे तथा संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह की अध्यक्षता करेंगे। ''हाउडी डेमोक्रेसी'' के आयोजकों में से एक व्यक्ति के अनुसार, यह आयोजन भारत में ''बढ़ते हुये अन्याय को अधिक उजागर करने के लिये'' किया जा रहा है।

यह प्रधानमंत्री मोदी की छठी किन्तु प्रथम राजकीय यात्रा है तथा यह 2009 के बाद पहला अवसर है, जब किसी भारतीय नेता का इस प्रकार का सम्मान दिया जा रहा है।

उनकी यात्रा से अमेरिका में बड़ी खुशी एवं उत्साह का माहौल है। हजारों उत्साही भारतीय-अमेरिकन 20 अमेरिकन शहरों के अति महत्वपूर्ण स्थानों पर एकत्रित हो रहे हैं तथा एकता यात्राएँ (यूनिटी मार्च) आयोजित कर रहे हैं तथा इस प्रकार से वे मोदी के स्वागत का संदेश दे रहे हैं। बहुत से अमेरिकन नेताओं ने मोदी की वॉशिंगटन यात्रा को लेकर खुशी एवं उत्साह व्यक्त किया है। ज्ञातव्रू है कि ऐसी संभावना भी है कि मोदी दो बड़े रक्षा-सौदों पर हस्ताक्षर करेंगे।

अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने मोदी की अमेरिका यात्रा पर कहा है, (अमेरिका में) अत्यधिक खुशी का माहौल है। आपने गवर्नरों, सीनेट के सदस्यों, स्टेट लैजिस्लेटर्स, इन्डस्ट्री, अकेडेनिया, थिंक-टैक तथा हवाई से लेकर अलास्का तक, अमेरिका के सभी हिस्सों में फैले भारतीय-अमेरिकनों की ओर से मोदी के स्वागत के संदेश एवं बयान देखे ही होंगे। यह यात्रा एक जश्न के साथ ही तात्विक पहलू सम्पन्न होगी तथा दोनों देश एक-दूसरे के पूरक होंगे।''

पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई हिरासत में लिये गये

बैंगलुरु, 20 जून। कर्नाटक को चावल की आपूर्ति के विषय पर सत्तारूढ़ कांग्रेस और मुख्य विपक्षी भाजपा ने मंगलवार को एक-दूसरे पर निशाना साधा। दोनों ही दलों की ओर से राज्य के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन भी किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई समेत कई भाजपा नेताओं को विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में ले लिया गया। भाजपा नेताओं का आरोप है कि सिद्धरमैया सरकार गरीब परिवारों को 10-10 किलोग्राम मुफ्त चावल प्रदान करने में विफल रही है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने हुबली में कहा, 80 करोड़ देशवासियों को हम 5 किलो मुफ्त चावल दे रहे हैं इसलिए बाकी 60 करोड़ लोगों के लिए संतुलन बनाए रखने के लिए हम व्यवस्था कर रहे हैं। यह सिर्फ कर्नाटक के लिए नहीं है, भाजपा शासित राज्यों में जो 5 किलो से चावल दिया जा रहा है उसकी व्यवस्था राज्य सरकार कर रही है। आप (कर्नाटक सरकार) भी व्यवस्था करो और दे दो। सी.एम. सिद्धरमैया ने कहा, फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफ.सी.आई.) ने राज्य को खाद्यान्न आपूर्ति करने पर सहमति जताई थी। 13 जून को उपभोक्ता मंत्रालय ने एफ.सी.आई. को खाद्यान्न की आपूर्ति रोकने के लिए पत्र लिखा।

क्या अमेरिका भारत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस नई वैश्विक व्यवस्था में भारत महत्वपूर्ण हो जाता है। इस नए मंच पर भारत को पहले ही किसी हद तक स्वीकार किया जा चुका है। चार देशों की क्वॉड प्रक्रिया में अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत भी है। क्वॉड, हिंद-प्रशांत क्षेत्र के चारों कोनों के देशों का एक गुट है जो अब काफी मजबूत हो गया है। भारत क्वॉड की संयुक्त सैन्य कवायदों में शामिल होता है। विरोधी देश अक्सर इसकी आलोचना करते हैं। दूसरी और कुछ तकनीकी अभियान भी इस यात्रा में पूरे होंगे जो काफी महत्वपूर्ण हैं। इनमें से एक है जनरल इलैक्ट्रिक का प्रस्ताव। यह कंपनी अमेरिका की सेना के अत्याधुनिक विमानों के लिए इंजन बनाती है। अभी तक यह तकनीक पश्चिमी यूरोप के कुछ खास मित्रों को ही उपलब्ध थी। पहली बार यह तकनीक भारत की पब्लिक सैक्टर कंपनी को दी जाएगी ताकि भारत में इन इंजन का निर्माण हो। यह दोनों देशों के बीच रक्षा प्रौद्योगिक सहयोग का अंग है।

इस दौरान प्रधानमंत्री एलन मस्क से भी मिलेंगे। मुलाकात का उद्देश्य भारत में इलैक्ट्रिक वाहन बैटरी के निर्माण में निवेश हेतु मस्क को रिझाना। इलैक्ट्रिक वाहन निर्माण में कोई भी बड़ी उपलब्धि जलवायु परिवर्तन से जंग में सहायक होगी। वर्तमान यात्रा बेहद हाई प्रोफाइल है और कुछ ही देशों को इतना महत्व मिलता है।

इधर यूक्रेन वॉर शुरु करने से पहले रूस और चीन ने यही किया था। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने घोषणा की थी कि दोनों ''बैस्ट फ्रैंड्स'' हैं। अब भारत और अमेरिका की बारी है, एक दूसरे को ''बैस्ट फ्रैंड'' बुलाने की।

22 जून ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नारे के साथ सामने आने की जरुरत है।

कई बाधाएं हैं और अहं के टकराव हैं। मोदी का मुकाबला करने से पहले विपक्ष को इसे सुलझाना पड़ेगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908